देविका नदी कायाकल्प परियोजना

हाल ही में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने **देविका नदी कायाकल्प परियोजना** की प्रगति की ओर ध्यानाकर्षित किया।

- देविका नदी कायाकल्प परियोजना **अगस्त 2023 तक पूर्ण होने वाली** है, जिसमें देविका नदी की पारिस्थितिकि और सांस्कृतिक जीवन शक्ति को बहाल करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति हुई है।
- नमामि गंगे कार्यक्रम से प्रेरित इस पहल का उद्देश्य **पवित्र देविका नदी की स्वच्छता और स्वास्थ्य की रक्षा करना** है।

देविका नदी कायाकल्प परियोजना:

- **व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन:**
  - **तरल अपशिष्ट प्रबंधन** पर ध्यान आकर्षण करना।
  - **घरों को जोड़ने वाले पाइप्स और मैनहोल्स का एक नेटवर्क** स्थापित करना।
  - इसका प्राथमिक उद्देश्य तरल **अपशिष्ट का कुशल निपटान** सुनिश्चित करना, प्रदूषण को रोकना और नदी की पवित्रता को बनाए रखना है।
- **पूरक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन:**
  - इस परियोजना में तरल अपशिष्ट के अतिरिक्त ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का महत्त्वपूर्ण पहलू भी शामिल है।
    - इसमें **स्थानीय समुदायों द्वारा उत्पन्न ठोस अपशिष्ट पदार्थों का संग्रह, निपटान और प्रबंधन** शामिल है।
  - पर्यावरणीय क्षरण को रोकने और नदी एवं इसके आसपास के समग्र पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिये ठोस अपशिष्ट का उचित प्रबंधन आवश्यक है।
- **वित्तीय आवंटन विवरण:**
  - इस परियोजना को 190 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ है।
  - **केंद्र एवं केंद्रशासित प्रदेश** के बीच 90:10 के अनुपात में आवंटन साझा किया गया है।
- **PRI के माध्यम से समुदायों का सशक्तीकरण:**
  - ज़मीनी स्तर पर परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने में पंचायती राज संस्थाएँ (PRI) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
  - PRI की भागीदारी सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाती है, स्वामित्व और सतत् विकास प्रथाओं को बढ़ावा देती है।

देविका नदी के संदर्भ में मुख्य तथ्य:

//

- **उत्पत्ति:**
  - देविका नदी का उद्गम जम्मू-कश्मीर के **उधमपुर ज़िले की पहाड़ी शुद्ध महादेव मंदिर** से होता है तथा यह **पश्चिमी पंजाब (अब पाकिस्तान में)** की ओर बहती हुई **रावी नदी** में मिल जाती है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - यह नदी **धार्मिक महत्त्व** रखती है क्योंकि हिंदू इसे **गंगा नदी की बहन के रूप में पूजते** हैं।
  - ऐसा माना जाता है कि देविका नदी, रावी एवं **चिनाब नदी** के बीच के क्षेत्रों को कवर करने वाले **मादेर देश के लोगों को लाभ पहुँचाने के लिये स्वयं देवी पार्वती का एक रूप है।**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/river-devika-rejuvenation-project